आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

परम पू. कैलाश जी 'मानव'

● मूल्य » 5 ● वर्ष-12 ● अंक » 137 ● मुद्रण तारीख » 1 मई-2023 ● कुल पृष्ठ » 24

अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड-2023

श्री अनुपम खेर के हाथों 61 भामाशाह हुए सम्मानित

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद

एक बच्चे का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
दो बच्चों का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	22,000/-
तीन बच्चों का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	33,000/-

Donate Now

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्कैन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

UPI narayanseva@sbi

सम्पर्क करें :

+91-294-6622222, 7023509999

»1 मई, 2023 »वर्ष 12 »अंक 137 »मूल्य 05 »कुल पृष्ठ 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सऐप : +91-7023509999
Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

पाठकों के लिए इस माह

अक्षय तृतीया की हार्दिक शुभकामनाएं

09

10

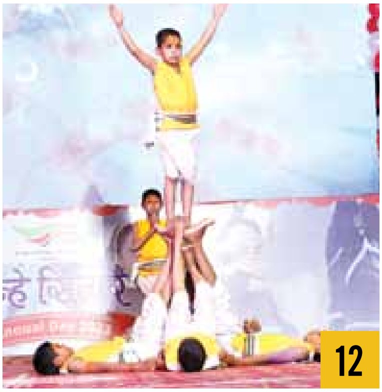

12

14

16

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक **कैलाश चन्द्र अग्रवाल** सम्पादक **प्रशान्त अग्रवाल** सहयोग **विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़** डिज़ाइनर **विरेन्द्र सिंह राठौड़**

Seva Soubhagya Print Date 1 May, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

दिया दूर नहीं जात

एक धनी व्यक्ति के यहां एक दिन चोरी हो गई। उनके एक मित्र को जब इसका पता चला तो वे धनी व्यक्ति के घर पहुंचे और सांत्वना देते हुए कहा कि परिश्रम से कमाया धन चुरा ले जाने वाले भी कमी सुखी नहीं रह पाएंगे। दुःखी मन से निकली आह उनके लिए श्राप के प्रभाव सा ही काम करेगी। तुम्हारे पास तो अब कुछ भी न बचा। तुम्हारे दुःख से मेरा मन भी व्यथित हो रहा है।

धनी व्यक्ति ने कहां-मित्र। मैं इस लिए दुःखी नहीं हूं कि मेरा धन चला गया और धनहीन होने से मेरी प्रतिष्ठा न रहेगी अथवा मैं परिवार का निर्वाह कैसे करूंगा। 'आप उन लोगों को भी बुरा न कहें क्यों कि संभव है, यह मेरे पूर्व जन्म के किसी बकाया का भुगतान हो।'

मित्र ने कहा धन के चले जाने से दुःखी होने वाली बात तो है ही अन्यथा इतने गहन सोच में डूबे नहीं होते ? धनी व्यक्ति ने कहा - ' मैं तो यह सोच कर दुःखी हूं कि पीड़ित और असहायों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मैं नित्य प्रति कुछ न कुछ दान किया करता हूं, अब चूंकि मेरे पास कुछ भी नहीं रह गया है, तो कैसे उस वृत्ति का निर्वाह कर पाऊंगा, जो मेरा स्वभाव बन गई है। किसी की सेवा,सहायता किए बिना कभी मैंने भोजन भी नहीं किया। भूखे को भोजन और प्यासे को पानी यह मेरी दिनचर्या में शामिल रहा है। मित्र बोला तो इसमें दुखी होने वाली बात क्या है? मेरे पास जो कुछ भी है, उसे अपना ही समझो, बतौर उधार ही सही, मुझसे जितना चाहिए धन ले लो। इस पर धनी व्यक्ति ने जवाब दिया- 'आपके परिश्रम से कमाए धन का भला मैं दान के लिए कैसे उपयोग कर सकता हूं ?' दोनों मित्र बात कर ही रहे थे कि धनी व्यक्ति की नजर घर के कोने में एक हंसुआ और रस्सी के बंडल पर पड़ी। उसका चेहरा खिल उठा, मानों ईश्वर से उन्हें कोई सार्थक संकेत मिला हो। उस व्यक्ति ने हंसुआ से चारा काटने और उसको रस्सी से बांधकर शहर में बेचने का काम शुरू कर दिया। जिससे उसका दान देने और सेवा का स्वभाव तो बना ही रहा, कुछ समय में उसे पुनः वही स्थिति भी प्राप्त हो गई, जो पूर्व में थी। दरअसल दिया हुआ कहीं नहीं जाता, वह किसी न किसी रूप में पुनः द्विगुणित होकर लौट आता है। ईश्वर सदैव ऐसे ही लोगों के साथ रहते हैं। मानव धर्म भी यही है कि पीड़ितों और जरूरतमंदों की सेवा की जाए।

'सेवक' प्रशान्त भैया, अध्यक्ष

शरीर के लिए जैसे भोजन आवश्यक है, उसी तरह जीवन को सार्थक बनाने के लिए दीन-दुःखी और जरूरतमंद की सामर्थ्य के अनुसार सेवा करना भी आवश्यक है। मृत्यु दरवाजा खटखटाए उससे पूर्व परमार्थ के किसी भी अवसर को नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि सिर्फ परमार्थ ही परलोक में साथ रहेगा। ईश्वर की कृपा भी उन्हीं लोगों पर बरसती है, जो सेवा को स्वभाव बनाते हैं।

विवेक का जागरण

सत्संग से व्यक्ति जीवन के सही अर्थ को समझने लगता है। उसके लिए जीवन की सार्थकता के लिए संभावनाओं का फलक विस्तृत होकरअपने अस्तित्व के साथ-साथ दूसरों के लिए भी सोच निरन्तर सकारात्मक होने लगती है।चेतना बंधन मुक्त होकर सबके कल्याण में प्रवृत होने लगती है।

सत्संग का अर्थ है श्रेष्ठ विचारों और सुन्दर भावनाओं के साथ अपने आसपास के लोगों से सामीप्यता। इससे सद्‌विचार, उदात्त भावनाओं और विवेक का जागरण होकर ईश्वर से तादात्म्य स्थापित करने में मदद मिलती है। वैदिक संस्कृति में तो सत्संग को आवश्यक माना गया है। कथा-कीर्तन, यज्ञायोजन, शास्त्र वाचन इसी के विभिन्न रूप हैं। महात्मा सुकरात के प्रवचनों और ईसा मसीह के संदेश ने लोगों के जीवन में बड़े परिवर्तन का काम किया। भगवान बुद्ध के सत्संग में बर्बर डाकू अंगुलिमाल संवेदनशील भिक्षु बन गया। भगवान महावीर ने कहा- 'अप्पणा चेव जुज्झाहि' अर्थात् अपने आप से युद्ध करो। अपनी गलत सोच और आदतों को खुद समाप्त करो। भगवान श्री कृष्ण ने कहा 'आत्मना युद्धस्व अर्थात् बाहर युद्ध की बात न करो, अपने आप से संघर्ष करो, जीवन को अपने लिए और दूसरों के लिए बेहतर बनाओ। महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' आन्दोलन ने भारत राष्ट्र को एकजुट कर स्वतंत्र भारत की आधारशिला रख दी। विश्व के लगभग सभी धर्म-सम्प्रदायों का आधार ही सत्संग रहा है। जो हमें बताता है कि दूसरों की भलाई में ही हमारा भी भला है। मनुष्य में सेवा का भाव कूट-कूट कर भरा है, जो सत्संग में आत्म-मंथन से ही उभरता है।

एक राजा अपने राज्य की स्थिति जानने एक बार भ्रमण पर निकले। उन्होंने देखा एक वृद्ध व्यक्ति अपने घर के बाहर आम की गुठली बो रहा था। राजा ने उससे पूछा- 'क्या तुम नहीं जानते कि आज जो बीज तुम बो रहे हो, वह कम से कम भी पन्द्रह-बीस साल बाद ही फल पाएगा और तब तक तुम इस दुनिया से जा चुके होगे। बुजुर्ग ने उत्तर दिया- मैं आज तक दूसरों के लगाए पेड़ों के बहुत फल खा चुका हूँ। इसके लिए मुझे भी दूसरों के लिए एक पेड़ लगाना ही चाहिए। अपने लिए पेड़ लगाने का भाव ही स्वार्थ है और स्वार्थी मनुष्य का जीवन कभी सार्थक नहीं हो सकता। उस बुजुर्ग ने राजा को पते की बात बता दी। जिसके बाद राजा ने परमार्थ के ऐसे अनेक काम किए जिससे उसके न रहने के बाद भी लोग उसे याद करते रहे। बंधुओं! जीवन को सत्यम्-शिवम्-सुन्दरम् से परिपूर्ण करने के लिए सत्संग का संकल्प करें। किसी दीन-दुखी के आंसू पोंछ कर देखिए कि आपके जीवन में पग-पग पर कैसे आनंद के फूल महकते हैं और ईश-कृपा बरसती है। **पूज्य कैलाश 'मानव'**

दान से ही सफल मनोरथ

सफल जीवन कैसे जीएं? यह विचार हर व्यक्ति के मन में आता होगा? सफल जीवन उसी का है जिसने अपने को कल्याण व प्रसन्नता के लिए लगा लिया। भौतिक समृद्धि से भले ही हम सांसारिक सुख और समृद्धि को प्राप्त करना अपना कल्याण मान लें पर वास्तविक कल्याण सदा-सदा के लिए जन्म-मरण के बंधन से मुक्त होना या भगवत प्राप्ति से है। इसके लिए हमारे ऋषि मुनियों ने नाना प्रकार के उपाय बताएं हैं। राजर्षि मनु ने चारों युगों के चार साधन बताए हैं -

सत्ययुग में तप, त्रेता में ज्ञान, द्वापर में यज्ञ और कलयुग में केवल दान ही मनुष्य के कल्याण का साधन है..

बाबा तुलसी दास जी ने भी लिखा है - प्रगट चारि पद धर्म के कलि महुँ एक प्रधान! जेन केन विधि दीन्हें दान करइ कल्यान!

अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य अनुसार उदारतापूर्वक दान देना चाहिए। किसी भी तरह से किया गया दान कल्याण ही करता है। इहलोक व परलोक के भय से भी दान दिया जाए तो अच्छा ही है। ईश्वर ने मुझे देने लायक बनाया है परन्तु दूसरों को न देने पर भगवान को क्या मुँह दिखाऊंगा। वैसे ज्ञान, विधि, आदर एवं उदारता पूर्वक निःस्वार्थ भाव से दान देना चाहिए। मानव जाति के लिए दान आवश्यक है। दान के बिना मानव व समाज की उन्नति अवरुद्ध हो जाती है। इस सम्बंध में उपनिषद् में वर्णित एक कथा है - एक बार देवता, मनुष्य और दानव तीनों की उन्नति रुक गई। इसलिए वे सभी पितामह प्रजापति ब्रह्मा जी के पास गए और अपना दुःख दूर करने के लिए उनसे प्रार्थना की। प्रजापति ब्रह्मा ने तीनों को मात्र एक अक्षर का उपदेश दिया।

''द''।

स्वर्गलोक के देवतागण सदा इन्द्रिय भोग भोगने में लगे रहते हैं, उनकी इस अवस्था पर प्रजापति ने देवताओं को ''द'' से 'दमन' अर्थात इन्द्रिय दमन का उपदेश दिया। वहीं असुर स्वभाव वाले दानव क्रोध और हिंसा में लगे रहते थे अतएव प्रजापति ने उन्हें इस दुष्कर्म से निकालने के लिए ''द'' के द्वारा जीवमात्र पर ''दया'' का उपदेश दिया। इसे मानकर देवता और दानव वहां से चले गए। अब नम्बर था मनुष्यों का -मनुष्य कर्म करने के साथ लोभ के चलते धन जमा करने में लगा रहता है। इसलिए प्रजापति ने लोभी मनुष्यों को कल्याण के लिए ''द'' से ''दान'' करने का उपदेश दिया। सभी मनुष्य प्रणाम कर विदा हुए। समस्त मनुष्यों को प्रजापति की आज्ञा स्वीकार करते हुए सफल मनोरथ और सार्थक जीवन के लिए दान अवश्य करना चाहिए ताकि अपने अभ्युदय का मार्ग प्रशस्त हो।

सुजीत समेट रहे जीवन के बिखरे रंग

सोनभद्र (उप्र) निवासी सुजीत कुमार (29) ट्रक ड्राइविंग कर अपने माता-पिता और पत्नी के साथ खुशहाल जिंदगी बिता रहे थे कि 4 मार्च, 2020 का दिन उनके जीवन के रंग बिखेर गया। वे उस खौफनाक दिन के बारे में जब सोचते हैं तो सिहर उठते हैं। होटल पर चाय-नाश्ता कर अपनी गाड़ी में चढ़ ही रहे थे कि पीछे से आते अनियंत्रित ट्रेलर ने उनके वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में लहूलुहान सुजीत को आस-पास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद मुंबई के सेन हॉस्पिटल में इलाज चला जहां 6 दिन बाद दांए पैर में इंफेक्शन होने से पांव को कटवाना पड़ा। कल तक दौड़ रही जिंदगी बिस्तर पर आ गई। इलाज के खर्च के तले परिवार भी दब गया। सोशल मीडिया से 2022 में नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण और सेवाकार्यों की जानकारी मिली तो उम्मीद बंधी और संस्थान आने पर विशेष कृत्रिम पांव तैयार कर लगाया गया। अपने दोनों पांवों पर खड़े होने पर चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ आई। करीब 6 महीने बाद पुनः संस्थान आने पर संस्थान में रहकर निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण भी लिया। जिंदगी भी वापस पटरी पर लौटी ही थी कि 15 फरवरी को पत्नी के हृदयघात से उसका भी साथ छूट गया।

अब मैं बूढ़े माँ-बाप व स्वयं के गुजारे के लिए संस्थान में प्राप्त प्रशिक्षण से स्वरोजगार कर शेष जिन्दगी को हौसले से आगे बढ़ाते और बिखरे रंग पुनः समेटते हुए जीवन को संवारने का प्रयत्न कर रहा हूं।

अंजलि को मिला नया जीवन

मंदसौर (मप्र) जिले की सीतामऊ तहसील के लदूना निवासी कमलेश-अनिता देवी बेटी के जन्म से खुश थे। बेटी की बढ़ती उम्र के साथ-साथ घर वालों ने उसकी जिंदगी संवारने के अनेक सपने सजाए। अंजलि जब बारह वर्ष की हुई तब तक सब कुछ ठीक चल रहा था, कि यकायक उसकी तबीयत बिगड़ी। काफी उपचार के बाद भी आराम नहीं मिला। एक बड़े अस्पताल में जांच करवाई तो ज्ञात हुआ कि बेटी को 'हेमोलिटिक ब्लड डिसऑर्डर' नामक बीमारी है। जिससे पेट में सूजन और शरीर में खून की कमी बढ़ती जाती है। यह सुन माता-पिता सहम गए। डॉक्टर ने शीघ्र ऑपरेशन करने की सलाह देते हुए बड़ा खर्च बताया।

लेकिन कमलेश हमाली (वाहनों में सामान चढ़ाना-उतारना) का काम कर 5 सदस्यों के परिवार का गुजारा बड़ी मुश्किल से कर पा रहा था ऐसे में ऑपरेशन के इतने बड़े खर्च का बंदोबस्त करना नामुमकिन था। उदयपुर के ही एक अस्पताल में उपचार के दौरान नारायण सेवा संस्थान से जटिलतम रोगों के इलाज में आर्थिक सहायता की जानकारी मिली। कमलेश संस्थान में अध्यक्ष प्रशांत भैया से मिले और माली हालत व बेटी की बीमारी के बारे में अवगत करवाया। अंजलि के ऑपरेशन हेतु संस्थान ने तुरन्त मदद की। जिससे 13 मार्च को उसका सफलतापूर्वक ऑपरेशन संभव होकर उसे नया जीवन मिला।

माता-पिता बेटी के ठीक होने से फूले नहीं समा रहे हैं। संस्थान का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि सच में यह संस्थान नारायण का ही स्वरूप है।

आकाश के स्वप्नों को मिले रंग

मैं संस्थान में रहकर निःशुल्क मोबाईल रिपेयरिंग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा हूं... धन्यवाद आपका जिन्होंने मेरी मदद की...

नैनपुर (मध्य प्रदेश) के आकाश कुमरे (20) चार भाइयों में सबसे बड़े हैं। घर-परिवार में सब ठीक ही चल रहा था कि मई 2022 की एक शाम ने जिंदगी में अंधेरा कर दिया। वे औरों के सहारे का मोहताज बन गए।

घर के आंगन से थोड़ी दूर रेल-पटरी के आस-पास खेलते-कूदते बचपन गुजरा। पटरी से ही होकर स्कूल आना-जाना रहता था। 11 मई को पड़ोस में शादी चल रही थी सब नाचते-गाते झूम रहे थे, आकाश भी थक कर आंगन के बाहर कुछ देर के लिए पटरी पर आ बैठा। थकान के कारण आँख लग गई, नींद इतनी गहरी थी कि तेज रफ्तार आती ट्रेन का भी पता ही नहीं चला। ट्रेन उसके दोनों पांव लीलती हुई गुजर गई। किसी ने लहूलुहान अचेतावस्था में पड़े आकाश को देखा तो कोहराम मच गया। माता-पिता होश खो बैठे। आस-पड़ोस के लोगों ने तुरंत अस्पताल पहुँचाया। 4 दिन बाद होश आने पर अपने दोनों पैरों को नहीं देख आकाश और परिजनों का रो-रो बुरा हल था। पिता दीवानी कुमरे खेती तो माता गर्ल्स स्टोर पर काम कर 6 सदस्यों का गुजारा चला रहे हैं। एक दिन टी.वी पर नारायण सेवा संस्थान के बारे में देखा कि संस्थान हादसों में हाथ-पैर गवां चुके दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण करता है और उन्हे आत्मनिर्भर भी बनाता है। तब उसमें उम्मीद जगी और 28 मार्च 2023 को संस्थान आने पर संस्थान की प्रोस्थोटिक टीम ने दोनों पैरों की जांच कर माप लिया और विशेष कृत्रिम पैर तैयार कर पहनाएं।

श्री अनुपम खेर ने 61 भामाशाह को किया सम्मानित

अनुपम खेर ने समाज की सूरत बदलने के लिए नारायण सेवा संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों व प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा समाज को सुखी बनाने के लिए ऐसे दानवीर भामाशाहों का परिवार होना कुदरत की मेहरबानी है। ऐसे नेक कार्य से हजारों-लाखों दिव्यांगों की जिंदगी रफ्तार पकड़ेगी। दिव्यांगों के परिवारों में अब रिश्ते हाथ से हाथ पकड़ने वाले और कदम से कदम मिलाकर चलने वाले बनेंगे।

सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी नारायण सेवा संस्थान का अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड - 2023 वितरण समारोह दिल्ली के सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में हुआ। बॉलीवुड एक्टर श्री अनुपम खेर ने बतौर मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवियों को सम्मानित किया। उन्होंने संस्थान द्वारा संचालित नारायण मोड्युलर आर्टिफिशियल लिम्ब सेवाओं में विशेष योगदान देने वाले 55 प्रेरणादायी व्यक्तित्व को ट्रॉफी, शॉल, सर्टिफिकेट प्रदान किए। दिल्ली की श्रीमती कमलेश अग्रवाल को डायमण्ड अवार्ड, अलवर (राजस्थान) के जय शिव ट्रेडिंग कम्पनी, हिसार (हरियाणा) के पवन कुमार पन्नालाल, जोधपुर (राजस्थान) के बद्री किशन व्यास, दिल्ली की पिंकी गोयल, प्रदीप बेदी, सरोज, के.के मिश्रा, प्रवीण कुमार गौतम, डिब्रूगढ़ (आसाम) के पवन कुमार, बड़ौदा के अखिलेश जोशी, अहमदाबाद की मंजू त्यागी, पंचकुला (हरियाणा) के पंडित राम किशन व लक्ष्मी देवी, उत्तरप्रदेश गाजियाबाद के गिरधारीलाल मिश्रा और नोएडा के रमेश अदलखा को गोल्ड अवार्ड से नवाजा गया। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्षों से दिव्यांगों का पुनर्वास करते हुए संस्थान ने बड़ी संख्या में दुर्घटना में हाथ-पैर खो चुके दिव्यांगों के दुःखों को करीब से देखा। तब सोचा बड़े शिविर आयोजित कर लगभग 3 हजार अंगविहीनों को मोड्युलर आर्टिफिशियल लिम्बस से लाभान्वित कर उनकी रुकी हुई जिंदगियों को पुनः शुरू किया जाए। इस लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए हमने समाज के सशक्त और समृद्ध सज्जनों को एप्रोच किया। आज उपस्थित हुए इन समाज सेवियों ने दिव्यांगों का दुःख दर्द समझा और संस्थान के संकल्प को पूर्ण किया। जिसके लिए हम इन्हें सम्मानित करते हुए अपना गौरव समझते हैं। करीब 15 सौ लोगों की उपस्थिति से समारोह हॉल खचाखच भरा था। खुशमिजाज माहौल में अतिथि, अवार्डीज और उनके परिजनों का आभार निदेशक वंदना अग्रवाल ने व्यक्त किया।

इन्हें मिला सम्मान

हरि राम मानकतला मेमोरियल ट्रस्ट, श्रीमती लक्ष्मी देवी, श्री महेंद्र सिंह यादव, श्रीमती उषा भारद्वाज, श्रीमती नीलम बाला, श्री जगदीश सिंह पुत्र श्री सूरज सिंह, श्रीमती रेणु वर्मा, श्रीमती प्रमिला रानी, श्री नेम चंद जैन, श्रीमती पुष्पा गुप्ता, श्री नितिन गोयल, श्रीमती अंजू क्वात्रा, श्री दीवान सिंह मलिक पुत्र स्वर्गीय श्री यादराम मलिक, श्री रामिंदर कुमार भारद्वाज, श्रीमती इंदु महेश्वरी, श्री ललित कुमार अग्रवाल और श्रीमती सारिका अग्रवाल, श्री ओम प्रकाश चावला, श्रीमती उषा कांति मेहता, श्री जतिन अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय श्री

अशोक अग्रवाल (गर्ग गोत्र), श्रीमती प्रेम निझावन,श्री राम किशन डागर-नई दिल्ली। श्रीमती उमा रानी-पटियाला, श्री नमन अगम गुम्बर पुत्र अमित गुम्बर-फिरोजपुर, श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी सुभाष गुप्ता पुत्र रौनक जी गुप्ता-सोलन, श्री राजीव गुप्ता-फरीदाबाद, श्री नाथूराम सेठ-फरीदाबाद,श्रीमती संतोष सिंघल-हरिद्वार, डॉ संगीता सिंघल-अलीगढ़, श्रीमती रेखा मित्तल-नई दिल्ली, सामाजिक कार्यकर्ता ग्रुप ऑफ-चंडीगढ, पुलिस सी/ओ श्री राम गोपाल यादव-चंडीगढ़, श्री मोती लाल बंसल-गाजियाबाद, श्री मनीष यादव-इंदौर, श्री जुगल किशोर चुघ गौतम-बुद्ध नगर, श्रीमती नीरज अग्रवाल-मेरठ, श्रीमती मीरा निगम-लखनऊ, श्रीमती सुधा अटल-बागपत, श्री अनूप बिंदल (श्री हजारी लाल पूरन चंद अग्रवाल)-झांसी, श्री शिव जी मित्तल सुपुत्र एसएच. गोविंद राम जी मित्तल-महेंद्रगढ़, श्री दलेल सिंह पुत्र श्री भीम सिंह-जींद, श्रीमती फूल गोयल पत्नी डॉ. बी डी गोयल-पंचकुला, श्री प्रिंस कुमार राजू और रीना कुमारी जी-पटना,श्री अजीत कुमार जी शास्त्री-अंबाला, श्री आशीष कुमार पुरवार-कानपुर नगर।

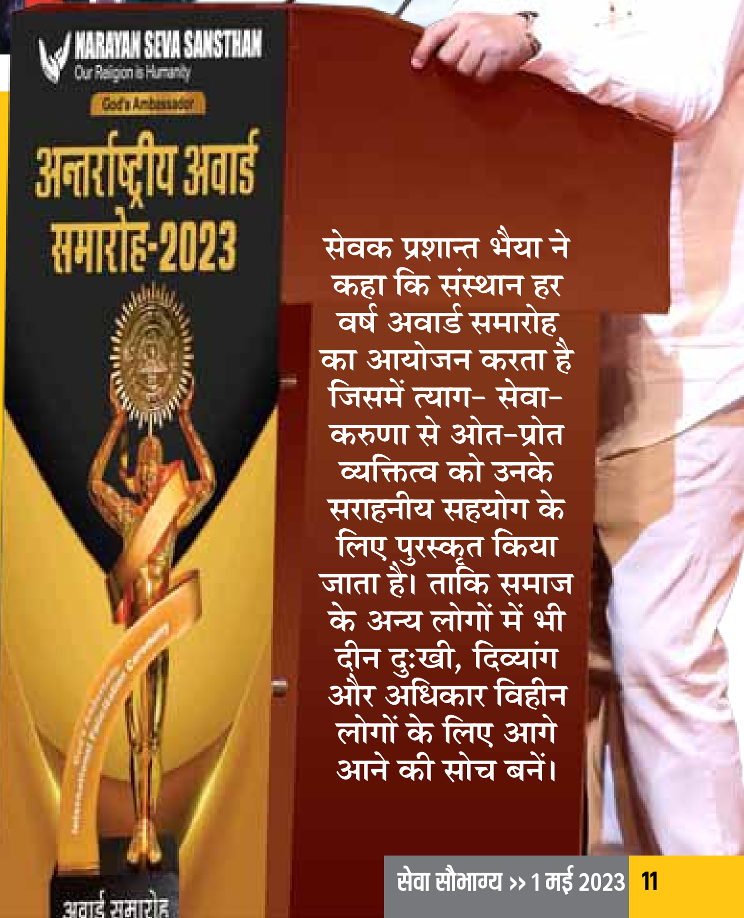

सेवक प्रशान्त भैया ने कहा कि संस्थान हर वर्ष अवार्ड समारोह का आयोजन करता है जिसमें त्याग- सेवा-करुणा से ओत-प्रोत व्यक्तित्व को उनके सराहनीय सहयोग के लिए पुरस्कृत किया जाता है। ताकि समाज के अन्य लोगों में भी दीन दुःखी, दिव्यांग और अधिकार विहीन लोगों के लिए आगे आने की सोच बनें।

जमी पर उतरे 'नन्हें सितारे'

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी ने मनाया वार्षिकोत्सव

नारायण सेवा संस्थान द्वारा निःशुल्क सेवा प्रकल्पों के तहत संचालित नारायण चिल्ड्रन एकेडमी का वार्षिकत्सव 'नन्हें सितारे' संस्थान संस्थापक - चेयरमैन पूज्यश्री कैलाश जी मानव के आशीर्वचन के साथ 25 मार्च को सेवामहातीर्थ में सम्पन्न हुआ।

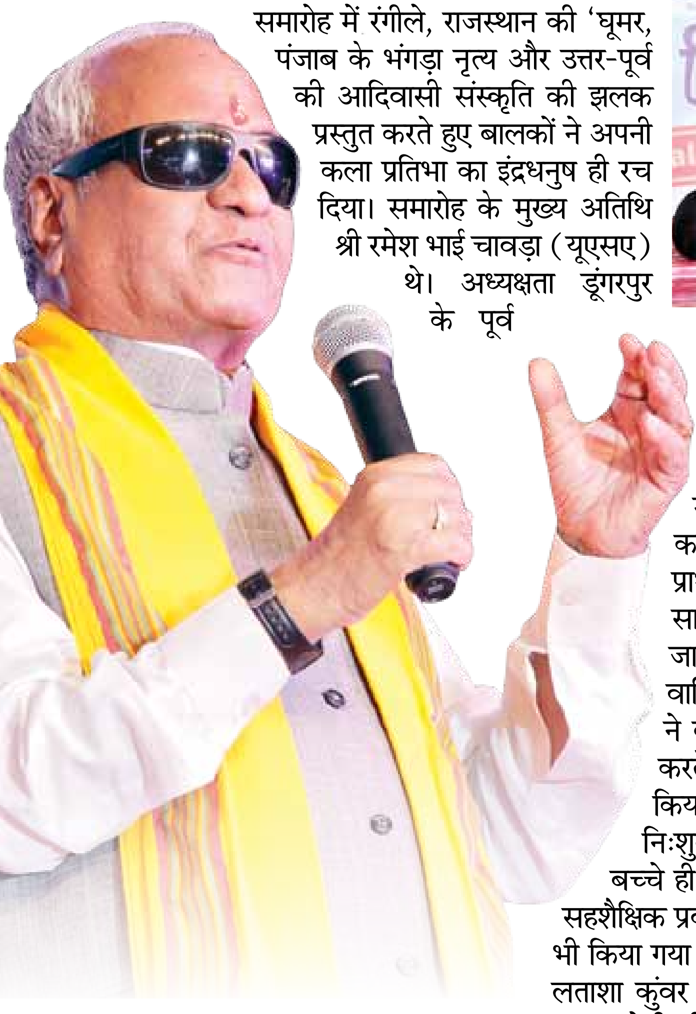

समारोह में रंगीले, राजस्थान की 'घूमर, पंजाब के भंगड़ा नृत्य और उत्तर-पूर्व की आदिवासी संस्कृति की झलक प्रस्तुत करते हुए बालकों ने अपनी कला प्रतिभा का इंद्रधनुष ही रच दिया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री रमेश भाई चावड़ा (यूएसए) थे। अध्यक्षता डूंगरपुर के पूर्व सभापति श्री के. के. गुप्ता जी ने की ।विशिष्ट अतिथि जिला खेल अधिकारी श्री शकील हुसैन जी, मध्यप्रदेश के पूर्व सूचना आयुक्त श्री आत्मदीप जी व कीनिया के भारतीय प्रवासी समाजसेवी श्री कुंवर भाई थे। आरम्भ में अतिथियों का स्वागत करते हुए सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि नवाचारों पर आधारित एकेडमी इस समय उच्च प्राथमिक स्तर तक ही है, जिसे बारह हजार विद्यार्थियों के साथ उच्च माध्यमिक स्तर तक शीघ्र ही क्रमोन्नत किया जाएगा। एकेडमी प्राचार्य अर्चना गोलवलकर ने एकेडमी का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह अध्यक्ष श्री गुप्ता ने बच्चों से एकाग्रता पूर्वक शिक्षा ग्रहण करने का आव्हान करते हुए दैनंदिन जीवन में स्वच्छता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संस्थान गरीब बच्चों को गुणवत्ता परक निःशुल्क शिक्षा देकर देश की बड़ी सेवा कर रहा है। सुशिक्षित बच्चे ही भारत का भविष्य हैं। समारोह में वर्षभर की शैक्षिक एवं सहशैक्षिक प्रवृतियों में उल्लेखनीय कार्य के लिए विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। संचालन कक्षा चार के पुष्पेंद्र देवड़ा और छठी कक्षा की लताशा कुंवर ने किया। कार्यक्रम में सह संस्थापिका गुरुमाता श्रीमती कमला देवी जी, पलक जी अग्रवाल, श्रीमती लता बेन (लंदन), श्रीमती पूनम जी अग्रवाल बिलासपुर भी मौजूद थीं। धन्यवाद ज्ञापन महिम जैन ने किया।

समारोह के दौरान संस्थान निदेशिका श्रीमती वंदना जी के जन्मदिन पर एकेडमी स्टाफ व बच्चों ने उनके साथ केक काटा और शुभकामनाएं दी।

सेवा शिविर

दिव्यांगजन समाज के अभिन्न अंगःराज्यपाल

मैं नारायण सेवा से परिचित हूँ। दिव्यांगता के क्षेत्र में इनकी सेवाएं तारीफ के काबिल हैं। संस्थान संस्थापक कैलाश जी मानव ने निःसहायों और दिव्यांगों की सेवा-पूजा को ही अपना लक्ष्य बनाया है-थावरचंद गहलोत

सेवा ही कर्म, सेवा ही धर्म के उद्देश्य से देश-दुनिया में मानव सेवा के विभिन्न प्रकल्प संचालित करने वाले आपके अपने संस्थान ने बैंगलुरु (कर्नाटक) में 19 मार्च को विशाल निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किया। जिसमें 593 दिव्यांग नारायण लिम्ब पहनकर मुस्कुराते हुए चले। वर्षों पहले दुर्घटनावश ये सभी अपने हाथ-पैर गंवाने से चलने-फिरने और दैनंदिन कार्य में असमर्थ हो चुके थे। संस्थान ने 8 जनवरी के माप शिविर में इन सभी दिव्यांगों को आर्टिफिशियल लिम्ब के लिए चयनित किया था। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने मेवाड़ की गौरवशाली परम्परानुसार अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि उदयपुर स्थित संस्थान में दक्षिणी राज्यों कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना महाराष्ट्र के अंगविहीन बन्धु-बहिनें ईलाज के लिए आते रहते हैं। तब सोचा गया कि क्यों न इन सभी दिव्यांगजन को उनके घरों के आस-पास ही लाभान्वित किया जाए। इसी सोच को साकार करते हुए संस्थान ने बैंगलुरु में इस कैंप का आयोजन किया है। मुख्य अतिथि कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद जी गहलोत ने कृत्रिम

एक ही दिन में 593 दिव्यांग नारायण लिम्ब पहन मुस्कुराएं

तब

अब

अंगों से नई जिन्दगी पाने वाले सभी दिव्यांग बन्धुओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन समाज के अभिन्न अंग हैं। सुदृढ़ समाज के लिए दिव्यांगों को सशक्त करना आवश्यक है। आज एक नहीं 593 दिव्यांगों को नई जिन्दगी मिली है। इस आयोजन से प्रधानमंत्री मोदी का मंत्र 'सबका साथ-सबका विकास' सफल होता दिख रहा है। समारोह में विनोद जैन सहित कई समाजसेवी, दानदाता गण मौजूद रहे।

तब

अब

आँखों में लौटी चमक होठों पर मुस्कान

मार्च 2023 में 6 प्रदेशों के 10 नगरों में संस्थान के केम्पों से सैकड़ों दिव्यांग भाई-बहिन लाभान्वित हुए।

दुर्घटनावश हाथ-पैर खोने, जन्मजात बीमारी से पांव में अक्षमता वाले दिव्यांग भाई-बहिनों को संस्थान आपश्री के दान और आशीर्वाद से निःशुल्क कृत्रिम अंग, केलीपर, ऑपरेशन अथवा सहायक उपकरण उपलब्ध करवा रहा है।

2 मार्च- अहमदाबाद | 2 मार्च- बाड़मेर | 4 मार्च- बालोतरा | 11 मार्च-डूंगरपुर | 14 मार्च - जालना | 18 मार्च - सरदारशहर | 19 मार्च - नागौर | 19 मार्च -बैंगलुरु | 26 मार्च- भटिंडा | 26 मार्च- शामली

1. कुल रजिस्ट्रेशन **1765**
2. कृत्रिम अंग **915**
3. व्हील चेयर **33**
4. केलीपर **234**
5. ऑपरेशन चयन **21**
6. ट्राईसाइकिल **150**
7. बैशाखी **16**

भक्ति की महिमा

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

1978 आ गया था, अब कैलाश जी का जूनियर एकाउन्ट्स ऑफिसर -जे. ओ. ए. की परीक्षा देने का मन भी होने लगा। यह परीक्षा दो भागों में होती थी, पहले साल एक भाग देना पड़ता था, इसमें पास हो जाने पर दूसरे भाग की परीक्षा देनी पड़ती थी। कैलाश जी ने दो सालों में यह परीक्षा भी पास कर ली। उन्हें आई.पी.ओ. पद पर पदोन्नत कर दिया गया। आई.पी.ओ. के रूप में नियुक्ति झालावाड़ में हो गई। अब उनका कार्य इन्सपेक्शन का हो गया। महीने में 25 दिन निरीक्षण पर ही रहना पड़ता था, इस कारण अलग से कार्यालय की जरूरत नहीं होती थी। जहां रहते वहीं कुर्सी-टेबल लगाकर कार्यालय बना लिया जाता था। कैलाश जी के अन्तर्गत 123 पोस्ट ऑफिस थे। प्रत्येक पोस्ट ऑफिस का साल में एक बार निरीक्षण करना अनिवार्य था। इन पोस्ट ऑफिसों में नियुक्तियां आदि करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की थी। उन्हें अपने कार्यक्षेत्र के विभिन्न पोस्ट ऑफिसों के बारे में शिकायतें मिलती रहती थीं मगर पास ही के एक गांव के पोस्ट ऑफिस की शिकायतें अत्यधिक थी। विभाग से भी उन्हें निर्देश मिले कि इस पोस्ट ऑफिस का निरीक्षण करो। डाकखानों में आने वाली डाक को नियमित करने मेल ओवरसियर भी होते थे। इस क्षेत्र का मेल ओवरसियर उस पोस्ट ऑफिस और वहां के प्रभारी के बारे में अच्छी जानकारी रखता था।

उसने कैलाश जी को मना किया कि वहां जाना उचित नहीं है, वह खतरनाक क्षेत्र है। आपके पहले जो इन्सपेक्टर थे वे भी इस पोस्ट ऑफिस के कागज यहीं मंगवा कर खाना पूर्ति कर लेते थे। कैलाश जी का भी मन हुआ कि वह भी यही करें और कागजात मंगवा कर इन्सपेक्शन की औपचारिकताएं पूरी कर लें मगर दिल नहीं माना। जी कड़ा कर ओवरसियर को कहा कि जाना तो पड़ेगा, आखिर यही मेरी ड्यूटी है। **क्रमशः**

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

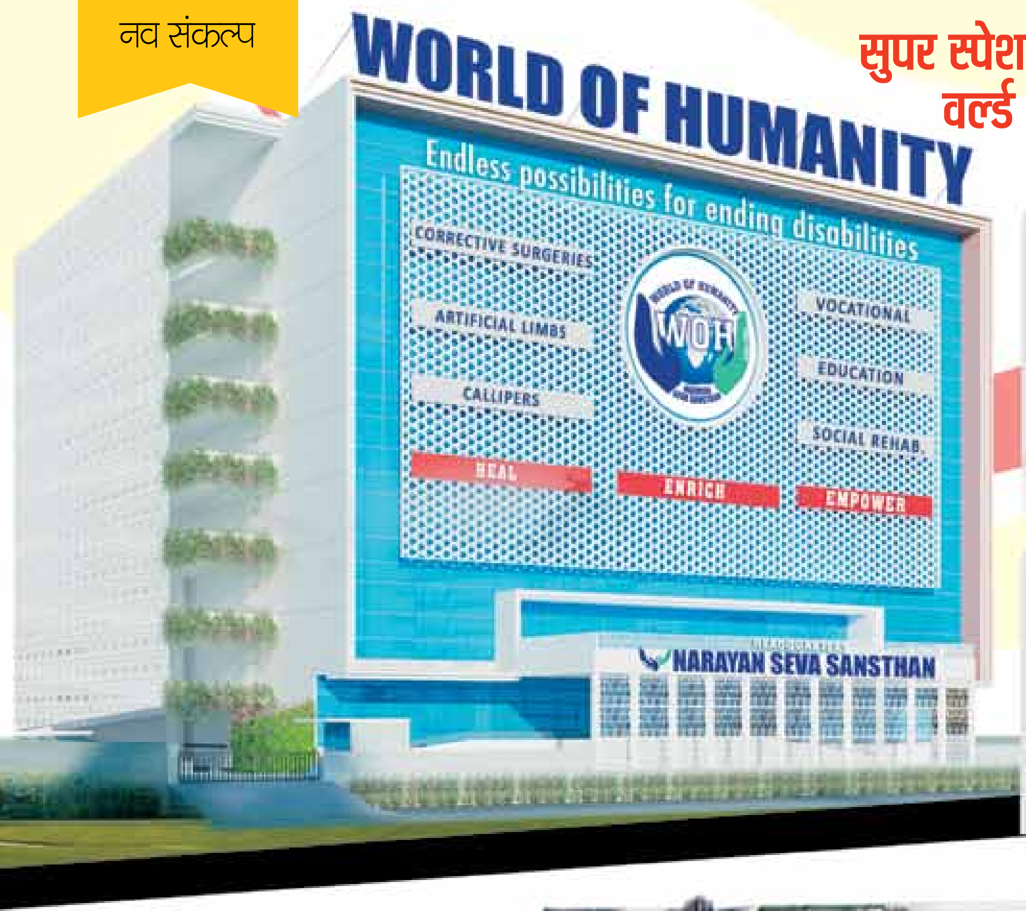

450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल

निःशुल्क शल्य चिकित्सा, जांचे, ओपीडी

बस स्टेण्ड से मात्रा 700 मीटर दूर

7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त

निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

निर्माण सहयोगी बनें

पुण्य ईंट-लॉबी-दीवार पर नाम

1,00,000 रू.

सेवा ईंट-पायें पुण्य

51,000 रू.

मानवता ईंट-करूणा भाव से स्वागत

21,000 रू.

नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

आरकेएसडी महाविद्यालय के सांय कालीन सत्र के कॅरियर गाइडेंस, प्लेसमेंट एवं काउंसलिंग सेल और नारायण सेवा संस्थान की शाखा कैथल के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में शाखा कैथल के संरक्षक सतपाल मंगला, संयोजक डॉ. विवेक गर्ग एवं साथियों का महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल एवं सांयकालीन सत्र के प्राचार्य प्रभारी डॉ. हरिंदर गुप्ता ने पौधा देकर स्वागत किया। मंच संचालन करते हुए डॉ. मनोज बंसल ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम से अवगत करवाया एवं सही दिशा और दिशाहीन हालात को एक महत्वपूर्ण एवं चिंताजनक विषय बताया।

कबीर का सेवा मार्ग

संत कबीरदास के दोहे भारतीय जीवन दर्शन की अमूल्य धरोहर हैं। वे अंध विश्वास के प्रबल विरोधी और पीड़ित मानवता के सबसे बड़े पैरोकार थे।

कबीरदास केएक-एक दोहे में जीवन का सार छिपा है। वे बड़ी ही सरलता और सादगी से जीवन जीते थे। साधारण कपड़े पहनते थे और गरीबों के लिए कपड़े बुनते थे। एक बार उनके पास कुछ बड़े सेठ आए और बोले- आप साधारण व्यक्ति नहीं हैं जब तक आप साधारण व्यक्ति थे तब तक आपका इस तरह पुराने कपड़े पहनना, कपड़ा बुनना ठीक था मगर अब आप एक प्रसिद्ध संत कवि हैं। आपको इस हाल में देख हमे शर्म आती है आप कपड़ा क्यों बुनते हैं अगर आपको कुछ जरूरत है तो हमें बताइए हम आपकी हर जरूरत को पूरा करेंगे। आप कहें, तो हम आपके लिए एक बड़ा आश्रम भी बनवा सकते हैं। कबीरदास जी बड़े ध्यान से उनकी बातें सुन बोले- आपको मेरे ऊपर शर्म आती है लेकिन आप की बातों पर मुझे आप लोगों पर शर्म आ रही है। आप लोग इतने स्वार्थी कैसे हो सकते हैं ? जब मैं गरीब था तब मैं अपने लिए कपड़ा बुनता था मगर अब मेरे पास जीवन निर्वाह के साधन हैं तो मैं गरीबों के लिए कपड़ा बुन रहा हूं। मुझे देख अन्य लोग भी गरीबों की मदद करने आगे आ रहे हैं और अन्य लोगों को देखकर कई और लोग मदद करेंगे। जिससे गरीबों का कुछ तो भला होगा। आज हमारे देश में बहुत से ऐसे लोग हैं जिनके पास पहनने के लिए कपड़ा नहीं है, खाने के लिए भोजन नहीं है। बीमार और पीड़ित हैं। जब मैं उन गरीबों में शामिल था तब आप मेरी मदद करने नहीं आए और आज जब मुझे आपकी मदद की जरूरत नहीं है तब आप मेरी सहायता करने आए हैं। आप मेरी मदद करना चाहते ही हैं तो उन लोगों की सहायता करें जिन्हें वास्तव में मदद की जरूरत है। आप समृद्ध हैं तो उन लोगों की मदद कीजिए जो भूखे, बीमार और असहाय हैं। कबीरदास जी की बातें सुनकर सेठ बहुत शर्मिन्दा हुए। उन्होंने उसी समय कबीरदास जी को वचन दिया कि रोज गरीबों को खाना खिलाएंगे, उनकी मदद करेंगे।

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103,
ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस.,
लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1,
गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
मेडती गेट के अंदर,कुचामन
हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5
तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक,
लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड, सी.आर.पी.एफ.
केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
07023003320,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर,
लेक टाऊन कोलकाता-700089

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग
भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी,
मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस,
दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम,
डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर
आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुडी,
बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298,
वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास,
वाघोडिया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद
मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11,
बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल
के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद
380004

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव
शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8,
रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी,
दुर्गापुरी चौक,शाहदरा,
दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प
के पास, मोदी बाग के सामने
मोदीनगर -201204

बरेली
बी-17, राजेन्द्र नगर,
जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड
(मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी,
गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स
कॉलोनी,नियर पानी की टंकी
के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
09928027946, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात
हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर,
4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड,
बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के
सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति
कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी
रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी,
गांव कारगी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल
बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर
ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा
गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी
बैंक के पीछे, स्टेशन रोड,
रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग
मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल,
नियर पदमा सिटी माल, करनाल
रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000/-	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000/-
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000/-	13 ऑपरेशन के लिए	52,500/-
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000/-	5 ऑपरेशन के लिए	21,000/-
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000/-	3 ऑपरेशन के लिए	13,000/-
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000/-	1 ऑपरेशन के लिए	5,000/-

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7,000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-
व्हील चेयर	4,000/-	12,000/-	20,000/-	44,000/-
कैलिपर	2,000/-	6,000/-	10,000/-	22,000/-
वैशाखी	500/-	1,500/-	2,500/-	5,500/-
कृत्रिम हाथ/पैर	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500/-	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500/-
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500/-	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000/-
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000/-	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्रीमती प्रेरणा पुरी, श्रीमती रैना पुरी स्व. श्री प्रदीप पुरी, श्री धीरज नंदा अम्बाला (हरियाणा)

स्व. श्री चानन शाह चौपड़ा एवं स्व. श्रीमती सुशीला रानी यमुना नगर (हरियाणा)

स्व. श्रीमती निर्मला कपूर, अम्बाला सिटी (हरियाणा)

श्रीमती रामावती गुप्ता, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

श्री अशोक भोगण गौरेगांव (मुम्बई)

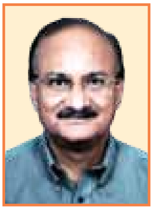
श्री अमिताभ शर्मा आगरा (उत्तर प्रदेश)

संस्थान शाखा प्रेरक माह मार्च 2023

शाखा प्रेरक
श्री सुरेन्द्र प्रसाद गर्ग,गुरूग्राम (हरियाणा)

शाखा संयोजक
श्री आर.एस. वर्मा अलवर (राजस्थान)

सेवा प्रचारक
श्री नन्द किशोर बत्रा, जयपुर (राजस्थान)

श्री गोपाल दास सक्सेना एवं श्रीमती आभा सक्सेना फिरोजाबाद (उ.प्र.)

श्री निखिल गुप्ता झालावाड़ (राजस्थान)

श्री भैरू लाल महाजन, झालावाड़ (राजस्थान)

स्व. श्री संजीव भाई सेठ, सूरत (गुजरात)

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी

असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने हेतु सादर आमंत्रण है।

» पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज

» चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है

» रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार-चिकित्सा दी जाएगी।

» आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था

सम्पर्क करे :

+91-294-6622222, 7023509999

आपकी करूणा
आपका दान
लाएगा इन चेहरों पर
मुस्कान

एक कृत्रिम
अंग सहयोग
5000 रू.

Donate Now

Seva Soubhagya, Print Date 1 May, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-